University in News on 28 July 2024

JAGRAN CITY PAGE III

800 एड्स पीड़ितों पर शोध करेगा लवि

जासं• लखनऊ : लवि का मनोविज्ञान विभाग एड्स पीड़ितों पर शोध करेगा। विभाग की अध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला और डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने केजीएमयू के सहयोग से यूपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उप्र के चार जिलों लखनऊ, झांसी, मेरठ और वाराणसी के एंट्री रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर के माध्यम से 800 पीड़ितों पर शोध करते हुए उनके दृष्टिकोण को सामने लाएगा।

डा. अर्चना शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एचआईवी एड्स से पीड़ित लोगों और प्रमुख आबादी के बीच पूर्वाग्रह और भेदभाव' शीर्षक से होने वाले शोध के लिए करीब 60 प्रश्न तैयार किए गए हैं। परियोजना का उद्देश्य एचआईवी एड्स से पीड़ित लोगों के बीच पूर्वाग्रह और भेदभाव का अध्ययन करना है। यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के संयुक्त निदेशक डा. अरुण सिंघल ने 2023 में कहा था कि परीक्षण में लगातार वृद्धि हुई है। इसलिए हमें हर साल नए मामले मिल रहे हैं। इससे जुड़ी बहुत गलतफहमियां मिथक हैं। इसलिए यह अध्ययन उपचार से जुड़ी बाधाओं को समझने व उनके मानसिक स्वास्थ्य के उत्थान में मदद करेगा।

साक्षात्कार स्थगित : लवि के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से घोषित विषय विशेषज्ञों (गेस्ट फैकल्टी) के पैनल निर्धारण के लिए विभिन्न विभागों में 30 जुलाई को होने वाले साक्षात्कार स्थगित कर दिए गए हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी की ओर से जारी सूचना के अनुसार साक्षात्कार की नई तिथि जल्द घोषित की जाएगी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एचआईवी संक्रमितों पर अध्ययन करेगा लविवि

केजीएमयू के सहयोग से यूपीएसएसीएस के साथ किया एमओयू

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि एचआईवी एड्स से संक्रमित लोगों में पूर्वाग्रह व भेदभाव का अध्ययन करेगा। इसके लिए विवि ने केजीएमयू के सहयोग से यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (यूपीएसएसीएस) के साथ एमओयू किया है। इस अध्ययन में विवि के मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थी सहयोग करेंगे।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि ने यूपीएसएसीएस के साथ एचआईवी से संक्रमित लोगों और प्रमुख आबादी में पूर्वाग्रह और भेदभाव नामक परियोजना के लिए एक एमओयू पर विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना शुक्ला व डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अध्ययन उपचार से जुड़ी बाधाओं को समझने में मदद करेगा और उनके मानसिक स्वास्थ्य के उत्थान में मदद करेगा। यह शोध उत्तर प्रदेश के चार जिलों लखनऊ, झांसी, मेरठ और वाराणसी में 800-1000 एचआईवी संक्रमितों की रोग के प्रति धारणा और दृष्टिकोण को सामने लाएगा।

49.23 प्रतिशत बढ़ी एचआईवी की दर

जहां एक ओर समाज में एक धारणा प्रचलित है कि एचआईवी एड्स का उन्मूलन हो गया है, यह एक मिथक मात्र है। यूपीएसएसीएस के अनुसार, आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2022-2023 में उत्तर प्रदेश में एचआईवी एड्स की दर पिछले वर्षों की तुलना में 49.23% बढ़ गई है।

मैनेजमेंट फैकल्टी की डीन बनीं प्रो. संगीता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंध विभाग की शिक्षक प्रो. संगीता साहू को मैनेजमेंट फैकल्टी का डीन बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की मंजूरी के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने शनिवार को इसका आदेश जारी कर दिया। जारी पत्र के मुताबिक, प्रो. संगीता कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक इस पद पर बनी रहेंगी। वह प्रबंध विभाग की अध्यक्ष का दायित्व भी संभालेंगी। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

विवि प्रशासन ने जारी किए निर्देश, अभ्यर्थी लॉगिन के जरिए परिणाम देख सकते हैं

एलयू में बीबीए, बीसीए और बीकॉम का दूसरा सीट अलॉटमेंट आज होगा

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीबीए, बीसीए, बीकॉम एनईपी और बीकॉम ऑनर्स कार्यक्रम का दूसरा सीट अलॉटमेंट और अपग्रेडेशन का रिजल्ट रविवार को जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी लॉगिन के जरिए परिणाम देख सकते हैं। प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर अपने पूर्व में दिए गए लॉगिन आईडी व पासवर्ड का इस्तेमाल कर सीट अलॉटमेंट देख सकते हैं। प्रो. माथुर का कहना है कि पात्र अभ्यर्थी 30 जुलाई की रात 12 बजे तक ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन फीस जमा कर सकते हैं। इसके लिए भी लॉगिन आईडी का उपयोग करना होगा।

एलएलबी पांच वर्षीय का सीट अलॉटमेंट जारी :

एलयू में बीएससी बायोलॉजी और एलएलबी इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय पाठ्यक्रम का पहला सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी का इस्तेमाल कर 29 जुलाई की रात 12 बजे तक ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन फीस जमा कर सकते हैं।

डीफार्मा के लिए अब 29 तक जमा कर सकेंगे फीस :

एलयू में सत्र 2024-25 स्नातक प्रवेश परीक्षा के तहत डीफार्मा के लिए ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन फीस जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी 29 जुलाई की रात 12 बजे तक फीस जमा कर सकेंगे। पहले यह तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई थी। अधिक जानकारी के लिए एलयू की वेबसाइट देख सकते हैं।

30 जुलाई, रात 12 तक जमा होगी ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन फीस

- फीस जमा करने के लिए भी लॉगिन आईडी का उपयोग करना होगा

डीन व हेड बनीं प्रो. संगीता

एलयू में प्रबंधन अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष और प्रबंध विभाग विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. संगीता साहू को नियुक्त किया गया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने आदेश जारी कर दिया है। प्रो. संगीता अब जिम्मेदारी संभालेंगी।

शिक्षक जिलों में एड्स रोगियों पर शोध करेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक यूपी में एचआईवी एड्स (पीएलएचआईवी) और प्रमुख आबादी के साथ रहने वाले लोगों में कलंक व भेदभाव विषय पर अध्ययन करेंगे। यह अध्ययन मुख्य रूप से यूपी के चार जिलों में होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला और अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने केजीएमयू की मदद से यूपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ एक एमओयू साइन किया है। जिसके तहत यूपी में एचआईवी एड्स की स्थिति का आकलन होगा।

पीजी के छह विषयों में प्रवेश के लिए तारीख तय

परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के मद्देनजर छह कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पात्रता जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की तिथि घोषित कर दी है। प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश भी जारी हो गए हैं। अरब कल्चर और अरेबिक विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को क्रमशः 30 व 29 जुलाई की सुबह 10:30 बजे बुलाया गया है। वेस्टर्न हिस्ट्री व कंपोजिट हिस्ट्री के अभ्यर्थियों को 30 व 31 जुलाई और संस्कृत व मास्टर इन लाइब्रेरी साइंसेज के 29 व 30 जुलाई को विभागों में पात्रता जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि एड्स से पीड़ित लोगों में पूर्वाग्रह पर करेगा अध्ययन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला और डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा के नेतृत्व में केजीएमयू, लखनऊ के सहयोग से यूपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ उत्तर प्रदेश में एचआईवी एड्स (पीएलएचआईवी) से पीड़ित लोगों और प्रमुख आबादी के बीच पूर्वाग्रह और भेदभाव शीर्षक वाली परियोजना पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना का उद्देश्य एचआईवी एड्स से पीड़ित लोगों के बीच पूर्वाग्रह और भेदभाव का अध्ययन करना है। यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (यूपीएसएसीएस) के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंघल ने 2023 में कहा कि परीक्षण में लगातार वृद्धि हुई है। इसलिए, हमें हर साल नए मामले मिल रहे हैं। इससे जुड़ी बहुत सारी गलतफहमियां और मिथक हैं और यह रोकथाम, उपचार और देखभाल में चुनौतियां पेश करता है, इसलिए यह अध्ययन उपचार से जुड़ी बाधाओं को समझने में मदद करेगा, एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य के उत्थान में मदद करेगा। उत्तर प्रदेश के चार जिलों लखनऊ, झांसी, मेरठ और वाराणसी में इस बीमारी के प्रति 800 प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को सामने लाएगा। परियोजना में प्रधान अन्वेषक डॉ. हंसिका सिंघल, सहायक प्रोफेसर हैं और सह-प्रधान अन्वेषक डॉ. अर्चना शुक्ला, प्रमुख, मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 5

प्रोफेसर संगीता साहू को विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के परिनियम 2.20 (यथा संशोधित) में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत प्रोफेसर संगीता साहू को प्रबन्ध अध्ययन संकाय के अन्तर्गत संचालित प्रबंध विभाग के विभागाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करने निर्देश जारी किया गया है। इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की ओर से कहा गया कि कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु प्राप्ति तक अथवा अन्य कोई आदेश होने तक, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है।

सम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हुआ अपलोड

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालय की ओर से सम सेमेस्टर 2024 के सभी विषयों का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सम सेमेस्टर 2024 की परीक्षाओं के परीक्षाफल घोषित कर दिये गये है, परीक्षाओं का विस्तृत परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पीजी डिप्लोमा अरेबिक द्वितीय सेमेस्टर, पीजी डिप्लोमा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में द्वितीय सेमेस्टर, एमए एजुकेशन द्वितीय सेमेस्टर, एंथ्रोपोलॉजी द्वितीय सेमेस्टर सहित 12 विषयों का परिणाम जारी किया गया है।

बीए व बीएससी योगा की कक्षायें 29 से : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक नवप्रवेशी (सत्र 2024-25) के अंतर्गत बीए व बीएससी योगा की कक्षाएं 29 जुलाई से शुरू हो जाएंगी। ये कक्षाएं योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय, विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर जानकीपुरम शुरू होंगी।

i-NEXT PAGE 5

एड्स पीड़ितों पर शोध करेगा एलयू

LUCKNOW (27 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय का मनोविज्ञान विभाग एड्स पीड़ितों पर शोध करेगा. विभाग की अध्यक्ष डाक्टर अर्चना शुक्ला और डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने केजीएमयू के सहयोग से यूपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए. उत्तर प्रदेश के चार जिलों लखनऊ, झांसी, मेरठ और वाराणसी के एंट्री रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर के माध्यम से 800 पीड़ितों पर शोध करते हुए उनके दृष्टिकोण को सामने लाएगा.

LU prof named for curriculum panel

Amarjeet Yadav, an assistant professor of Yoga department at Lucknow University, has been appointed as a special invitee to the curriculum committee of the Technical Education Council, Uttar Pradesh on Saturday. The nomination aligns with the provisions of the National Education Policy 2020, which advocates for inclusion of yoga in the curriculum of technical institutions.

TOI PAGE 3

LU, UPSACS join hands to tackle AIDS

Lucknow: Professors of the Lucknow University will be conducting research to develop understanding of HIV beyond myths and stigma. LU's head of psychology department, Archana Shukla and dean of academics, Prof Geetanjali Mishra, in collaboration with King George's Medical University, have signed a contract with UP State AIDS Control Society (UPSACS), Lucknow, for a project titled 'Stigma and Discrimination Among People Living with HIV AIDS (PLHIV) and key population in UP'. "Contrary to the myth that HIV AIDS has been eradicated, data according to UPSACS shows rate of cases in 2022-2023 jumped to 49.23% compared to previous years in UP," said dean academic Geetanjali Mishra, adding, "The incidence of the disease is rising while posing challenges in prevention, treatment, and care. The study will help in understanding barriers associated with the treatment and will ment mental health, while bringing to fore perspectives of 800-1,000 HIV patients towards the disease in Lucknow, Jhansi, Meerut, and Varanasi." TNN